23-03-2024

शहीद दिवस 2024

सुर्ख़ियों में क्यों?

- भारत में प्रतिवर्ष 23 मार्च को 'शहीद दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस भारत के तीन महान युवा स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के साहस और वीरता की स्मृति में मनाया जाता है।

संबंधित प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि वर्ष 1931 में इसी दिन इन तीनों महान क्रांतिकारियों भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सजा दी गई थी। पूरे भारत में इस दिन को आभार जताते हुए श्रद्धांजलि देकर शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लाहौर षड्यंत्र मामले में इन स्वतंत्रता सेनानियों को 24 मार्च, 1931 को मृत्युदंड का आदेश दिया गया था, किंतु उन्हें 23 मार्च, 1931 की शाम को ही फाँसी दे दी गई थी।
- भगत सिंह और सुखदेव अपनी मृत्यु के समय केवल 23 वर्ष के थे, किंतु राजगुरु मात्र 22 वर्ष के थे। भगत सिंह और सुखदेव दोनों का जन्म वर्ष 1907 में हुई थी जबकि राजगुरु का जन्म 1908 में हुआ था|
- उल्लेखनीय है कि भारतीय आंदोलनों का बहुचर्चित नारा 'इंकलाब जिंदाबाद' पहली बार भगत सिंह ने ही बोला था। भगत सिंह मानते थे कि व्यक्ति को दबाकर उसके विचार नहीं दबाए जा सकते हैं।
- भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 को पंजाब के लायलपुर ज़िले के बंगा गाँव में हुआ था, जो उस समय ब्रिटिश भारत का हिस्सा था तथा वर्तमान में यह पाकिस्तान में है।

भारत में अन्य शहीद दिवस

- हर साल 30 जनवरी को भी शहीद दिवस मनाया जाता है, जो मोहनदास करमचंद गाँधी की हत्या को चिह्नित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता है।
- बंगाली भाषा आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति देने वाले 15 बंगालियों की याद में दिनांक 19 मई को 'भाषा शहीद दिवस' मनाया जाता है।
- 'पुलिस शहीद दिवस' 21 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस भारत-तिब्बत सीमा पर CRPF पर चीनी सेना द्वारा घात लगाकर किए गए हमले को चिह्नित करता है।
- ओडिशा सरकार द्वारा लाला लाजपत राय की पुण्यतिथि मनाने के लिए 17 नवंबर को शहीद दिवस मनाया जाता है।
- महाराष्ट्र सरकार ने 1857 के विद्रोह में खोए लोगों के सम्मान के लिए रानी लक्ष्मी बाई की जयंती (19 नवंबर) को शहीद दिवस के रूप में चिह्नित किया है।

विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2024

सुर्ख़ियों में क्यों?

- हाल ही में वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2024 जारी की गई है, जिसमें फिनलैंड लगातार सातवें साल सबसे खुशहाल देश है। यह रिपोर्ट 20 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष प्रकाशित की जाती है।
- इस रिपोर्ट में भारत सूचीबद्ध 143 देशों में से 126वें स्थान पर है।

संबंधित प्रमुख बिंदु

- यह रिपोर्ट सामाजिक समर्थन, आय, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार की अनुपस्थिति जैसे कारकों पर विचार करते हुए 140 से अधिक देशों में खुशी के स्तर का मूल्यांकन करती है।
- विश्व खुशहाली रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित की जाती है और इसमें छह कारकों को ध्यान में रखा जाता है - प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा, किसी पर भरोसा करना, जीवन विकल्प चुनने की स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार से मुक्ति।
- फ़िनलैंड लगातार सातवें साल इस सूची में शीर्ष पर रहा, उसके बाद डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन रहे। इज़राइल ने भी रैंकिंग के शीर्ष पांच में जगह बनाई। इस बीच, कांगो, सिएरा लियोन, लेसोथो और लेबनान के बाद अफगानिस्तान को सबसे कम खुशहाल देश माना गया।
- हालांकि सूची में शीर्ष 10 देश कोविड-19 महामारी से पहले से ही वही बने हुए हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका और जर्मनी रैंकिंग में गिर गए हैं, जिससे कई पूर्वी यूरोपीय देशों के लिए सूची में ऊपर आने का रास्ता खुल गया है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका रैंकिंग में पिछले वर्ष 16वें स्थान से गिरकर इस वर्ष 23वें स्थान पर आ गया। इस वर्ष, कनाडा 15वें स्थान पर रहा जबकि ब्रिटेन 20वें, जर्मनी 24वें और फ्रांस 27वें स्थान पर रहा। मध्य पूर्वी देशों में संयुक्त अरब अमीरात 22वें और सऊदी अरब 28वें स्थान पर रहा। एशियाई देशों में सिंगापुर 30वें स्थान पर रहा। जापान 50 पर और दक्षिण कोरिया 51 पर।
- रिपोर्ट में पाया गया कि भारत में, अधिक उम्र उच्च जीवन संतुष्टि से जुड़ी है। हालाँकि, वृद्ध भारतीय महिलाओं ने वृद्ध पुरुषों की तुलना में कम जीवन संतुष्टि की सूचना दी।
- शिक्षा और जाति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, माध्यमिक या उच्च शिक्षा वाले वृद्ध वयस्कों और उच्च सामाजिक जातियों के लोगों ने औपचारिक शिक्षा के बिना अपने समकक्षों और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों की तुलना में उच्च जीवन संतुष्टि की सूचना दी।
- दुनिया भर में, हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों की तुलना में कम खुश थीं, जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़ती गई, लिंग अंतर बढ़ता गया।
- हालाँकि, जब वृद्ध लोगों (60 वर्ष और उससे अधिक आयु) में खुशी की रैंकिंग की बात आई, तो डेनमार्क, फिनलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और आइसलैंड - सभी नॉर्डिक राष्ट्र - सर्वोच्च स्थान पर रहे, जिसमें भारत 121वें स्थान पर रहा।

ऑपरेशन इंद्रावती

सुर्ख़ियों में क्यों?

- हैती की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस में सशस्त्र गिरोहों द्वारा किए जा रहे नए हमलों की पृष्ठभूमि में, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 21 मार्च 2024 को हैती से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए "ऑपरेशन इंद्रावती" शुरू किया।

संबंधित प्रमुख बिंदु

- यह विकास ऐसे समय में हुआ है जब देश, जो अभी भी 2010 के भूकंप से उबर नहीं पाया है, हिंसक गिरोह युद्ध देख रहा है।
- 29 फरवरी को, हैती के गिरोहों ने पोर्ट-ऑ-प्रिंस में हमले किए। अगले कुछ दिनों में, उन्होंने पुलिस स्टेशनों को जला दिया, देश के मुख्य हवाई अड्डे को बंद कर दिया, दो सबसे बड़ी जेलों पर हमला किया और हजारों कैदियों को मुक्त करा लिया।
- 3 मार्च को, हैती ने आपातकाल की घोषणा की और रात का कर्फ्यू लगा दिया।
- हैती के सबसे शक्तिशाली गैंग लीडर जिमी चेरिज़ियर देश के कार्यवाहक प्रधान मंत्री एरियल हेनरी के इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

हैती के बारे में

- हैती, कैरेबियन सागर में एक देश जिसमें हिस्पानियोला द्वीप का पश्चिमी भाग और गोनवे, टोर्ट्यू (टोर्टुगा), ग्रांडे के और वाचे जैसे छोटे द्वीप शामिल हैं। इसकी राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस है।
- हैती, जिसकी आबादी लगभग पूरी तरह से गुलाम अफ्रीकी लोगों की वंशज है, ने 1804 में फ्रांस से स्वतंत्रता हासिल की, जिससे यह संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद औपनिवेशिक शासन से मुक्त होने वाला अमेरिका का दूसरा देश बन गया।
- हालाँकि, सदियों से, आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक कठिनाइयों के साथ-साथ कई प्राकृतिक आपदाओं ने हैती को पुरानी गरीबी और अन्य गंभीर समस्याओं से घेर लिया है।

वैश्विक ई-कचरा मॉनिटर 2024

सुर्ख़ियों में क्यों?

- हाल ही में यूनाइटेड नेशन इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (ITU) और यूनाइटेड नेशन इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एंड रिसर्च (UNITAR) ने ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर (GEM) रिपोर्ट 2024 प्रकाशित की है।

संबंधित प्रमुख बिंदु

- रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक कचरे का उत्पादन दस्तावेजित ई-कचरा रीसाइक्लिंग की तुलना में पांच गुना तेजी से बढ़ रहा है।
- रिपोर्ट में दुनिया भर में ई-कचरा उत्पादन की आश्चर्यजनक वृद्धि के सापेक्ष रीसाइक्लिंग प्रयासों में बढ़ते अंतर के कारण दस्तावेज़ संग्रह और रीसाइक्लिंग दर में 2022 में 22.3% से 2030 तक 20% तक की गिरावट का अनुमान लगाया गया है।
- 2022 में रिकॉर्ड 62 मिलियन टन (एमटी) ई-कचरे का उत्पादन हुआ, जो 2010 से 82% अधिक है; 2030 में 32% बढ़कर 82 मिलियन टन होने का अनुमान है | दुर्लभ पृथ्वी तत्व की मांग का केवल 1% ई-कचरा पुनर्चक्रण से पूरा होता है।
- दुनिया भर में, ई-कचरे का वार्षिक उत्पादन सालाना 2.6 मिलियन टन बढ़ रहा है, जो 2030 तक 82 मिलियन टन तक पहुंचने की राह पर है, जो 2022 के आंकड़े से 33% अधिक है।
- ई-कचरा, प्लग या बैटरी के साथ छोड़ा गया कोई भी उत्पाद, एक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय खतरा है, जिसमें जहरीले योजक या पारा जैसे खतरनाक पदार्थ होते हैं, जो मानव मस्तिष्क और समन्वय प्रणाली को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- रिपोर्ट रेखांकित करती है कि यदि देश 2030 तक ई-कचरा संग्रह और रीसाइक्लिंग दरों को 60% तक ला सकते हैं, तो लाभ - जिसमें मानव स्वास्थ्य जोखिमों को कम करना भी शामिल है - लागत से 38 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक होगा।
- रिपोर्ट के अनुसार, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और ई-गतिशीलता सहित भविष्य की प्रौद्योगिकियों के लिए महत्वपूर्ण अद्वितीय गुणों के बावजूद, दुनिया दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के लिए कुछ देशों पर "आश्चर्यजनक रूप से निर्भर बनी हुई है"।

भारत-मोज़ाम्बिक-तंजानिया त्रिपक्षीय अभ्यास : IMT TRILAT- 2024

सुर्ख़ियों में क्यों?

- भारत-मोजाम्बिक-तंजानिया (आईएमटी) ट्राई लेटरल (ट्रिलैट) एक संयुक्त समुद्री अभ्यास है जिसके दूसरे संस्करण का आयोजन 21-29 मार्च 2024 तक किया जा रहा है।

संबंधित प्रमुख बिंदु

- इस अभ्यास में भारत के आईएनएस तीर और आईएनएस सुजाता भाग ले रहे हैं|
- अक्टूबर 2022 में आयोजित IMT TRILAT अभ्यास के पहले संस्करण में तंजानिया और मोज़ाम्बिक नौसेनाओं के साथ INS तरकश ने भागीदारी की थी।
- अभ्यास के वर्तमान संस्करण का आयोजन दो चरणों में की जा रही है। 21-24 मार्च 2024 तक निर्धारित बंदरगाह चरण के हिस्से के रूप में, नौसेना के जहाज तिर और सुजाता ज़ांज़ीबार (तंजानिया) और मापुटो (मोज़ाम्बिक) के बंदरगाहों पर संबंधित नौसेनाओं के साथ जुड़ेंगे।
- इस सम्मेलन में क्षति नियंत्रण, अग्निशमन, विजिट बोर्ड खोज और जब्ती प्रक्रियाओं, चिकित्सा व्याख्यान, हताहत निकासी और गोताखोरी संचालन जैसी

संयुक्त बंदरगाह प्रशिक्षण गतिविधियों का संचालन किया जाएगा।

- अभ्यास का समुद्री चरण 24-27 मार्च 2024 तक निर्धारित है जिसमें असममित खतरों का मुकाबला करने, विजिट बोर्ड खोज और जब्ती प्रक्रियाओं, नाव संचालन, युद्धाभ्यास और फायरिंग अभ्यास के व्यावहारिक पहलुओं को शामिल किया जाएगा।

चौथा शंघाई सहयोग संगठन स्टार्टअप फोरम

सुर्ख़ियों में क्यों?

- हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) स्टार्टअप फोरम का चौथा संस्करण नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

संबंधित प्रमुख बिंदु

- यह पहल एससीओ सदस्य देशों के बीच स्टार्टअप इंटरैक्शन को व्यापक बनाने, नवाचार के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को नवीन समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित करने पर केंद्रित है।
- फोरम के पूर्ण सत्र में एससीओ सदस्य राज्यों की भौतिक भागीदारी देखी गई, जिसमें एससीओ स्टार्टअप का एक प्रतिनिधिमंडल, सदस्य राज्यों में स्टार्टअप के लिए नोडल एजेंसियां, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और राजनयिक शामिल थे।
- एससीओ पवेलियन में शोकेस का अवसर प्रदान किया गया जहां 15 से अधिक एससीओ स्टार्टअप ने अपने उत्पादों और सेवाओं को दिखाया। शोकेस ने इन उद्यमियों को प्रेरित करने, शिक्षित करने और सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए नेटवर्किंग अवसर प्रदान किए।
- एससीओ सदस्य राज्यों में स्थानीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने और निवेशक और कॉर्पोरेट सगाई गतिविधियों तक पहुंच को सक्षम करने और सलाह के माध्यम से स्टार्टअप को मूल्य प्रदान करने के उद्देश्य से भारत द्वारा स्टार्टअप गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।
- आगे बढ़ते हुए, भारत नवंबर 2024 में एसडब्ल्यूजी की दूसरी बैठक और जनवरी 2025 में एससीओ स्टार्टअप फोरम 5.0 की मेजबानी करेगा।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के बारे में

- SCO एक स्थायी अंतर-सरकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जिसका उद्देश्य संबंधित क्षेत्र में शांति, सुरक्षा व स्थिरता बनाए रखना है।
- इसकी स्थापना 15 जून, 2001 को शंघाई में हुई थी।
- SCO की स्थापना से पूर्व कज़ाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, रूस और ताजिकिस्तान 'शंघाई-5' नामक संगठन के सदस्य थे। वर्ष 2001 में उज़्बेकिस्तान के संगठन में प्रवेश के बाद 'शंघाई-5' का नाम बदलकर शंघाई सहयोग संगठन कर दिया गया।
- भारत को वर्ष 2005 में इसका पर्यवेक्षक बनाया गया था। लेकिन वर्ष 2017 में कज़ाख़िस्तान के अस्ताना में आयोजित सम्मेलन में भारत तथा पाकिस्तान को इसके स्थायी सदस्य का दर्जा प्राप्त हुआ।
- अफगानिस्तान, ईरान, बेलारूस और मंगोलिया इस संगठन के पर्यवेक्षक के रूप में शामिल है|
- इसकी आधिकारिक भाषाएं रूसी और चीनी हैं।